धनबाद, सोमवार
30 दिसंबर 2019
आसनसोल
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 12

दैनिक जागरण

www.jagran.com
प. बंगाल, झारखंड, बिहार, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित

बेअसर होगी ओआइसी की बैठक 11

बैंकों के सही फैसलों को संरक्षण देगी सरकार 9

चालक नहीं सिर्फ आवाज सुनकर फर्राटा भरेगी कार

जागरण विशेष

धर्मदेव चौधरी ● मैथन (धनबाद)

शोध अनुसंधान

- **डीपीएस, आसनसोल के 10वीं के दो छात्रों के कारनामे को सभी कर रहे सलाम**
- **इंटरनेट से मिली जानकारी और कंप्यूटर शिक्षक के मार्गदर्शन में तैयार किया मॉडल**

वह समय दूर नहीं जब आपकी आवाज सुनकर कार सड़क पर दौड़ेगी। उसमें कोई चालक भी नहीं होगा। सामने कोई बाधा होगी तो रुक जाएगी। मोबाइल के माध्यम से आप जो निर्देश देंगे उसके अनुरूप कार गंतव्य तक पहुंचा देगी। चौंकिए नहीं अपने देश में यह जल्द संभव होगा। दरअसल खिलौना कार के माध्यम से ऐसी कार का मॉडल मैथन निवासी पश्चिम बंगाल के दिल्ली पब्लिक स्कूल आसनसोल के 10 वीं कक्षा के दो छात्रों ने तैयार किया है। इन नन्हें विज्ञानियों की सराहना सभी कर रहे हैं।

मैथन के रहने वाले प्रेम प्रकाश पांडे व उसके दोस्त शुभम सुसीब उल हकीम ने बताया कि कुछ अलग हट कर करना चाहते थे, तभी ऐसी कार बनाने का विचार आया। बस इंटरनेट खंगालना शुरू कर दिया। कई जानकारियां वहां से मिलीं। कंप्यूटर शिक्षक अनूप मिश्रा ने मार्गदर्शन दिया। दोनों ने कंप्यूटर की सी-प्लस भाषा से ऐसा प्रोग्राम तैयार किया, जिसमें ध्वनि संदेश के बल पर कार को कंट्रोल किया जा सकता है।

वॉयस कंट्रोल्ड रोवर ● जागरण

ब्लू टूथ और सेंसर दिखाएंगे कमाल : बताया कि मोबाइल में एएमआर वॉयस एप लोड कर ब्लू टूथ के माध्यम से उसे कार से जोड़ दिया जाएगा। कार में प्रोग्राम चिप के माध्यम से डाल दिया जाएगा। उसे कार में लगा विशेष सर्किट पढ़ेगा और मोबाइल से मिले ध्वनि संदेश पर काम करने लगेगा। कार के आगे सेंसर लगे होंगे। जो सामने किसी भी दूसरे वाहन

वॉयस कंट्रोल्ड रोवर के साथ डीपीएस के छात्र प्रेम प्रकाश और शुभम ● जागरण

या बाधा के आने पर कार को रोक देंगे। यदि मोबाइल पर संदेश दे दिया गया कि अमुक दिशा में मोड़कर आगे बढ़ें तो ठीक है अन्यथा ये सेंसर कार को स्वयं ही तीन सेकेंड तक संदेश नहीं मिलने पर इसे खाली दिख रहे मार्ग पर जाने को प्रेरित करेंगे। कार में 3000 एमएच की बैटरी लगाई गई है। ध्वनि व अल्ट्रासोनिक तरंग के बल पर कार चलेगी। इस कार का नाम दोनों दोस्तों ने वॉयस कंट्रोल्ड रोवर रखा है। इसे तैयार करने में ढाई हजार रुपये लगे।

10 वीं कक्षा के इन दोनों बच्चों ने इस उम्र में शानदार काम किया है। इस मॉडल के आधार पर भविष्य में बिना चालक की ध्वनि व सेंसर के माध्यम से चलने वाली कार अपने देश में बन सकती है। विद्यालय परिवार को दोनों की उपलब्धि पर गर्व है।

अनूप मिश्रा, कंप्यूटर शिक्षक, डीपीएस आसनसोल